भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3278 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026/16 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है

पोत मरम्मत क्लस्टर

†3278. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :
श्री सुधीर गुप्ता :
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केरल के कोच्चि और गुजरात के वाडीनार में प्रस्तावित दो पोत मरम्मत क्लस्टरों की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है और सरकार के विचाराधीन वाडीनार क्लस्टर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की स्थिति क्या है;

(ख) पांडु पोत मरम्मत सुविधा, असम तथा पांडु पत्तन से राष्ट्रीय राजमार्ग-27/राष्ट्रीय राजमार्ग-31 को जोड़ने वाली सड़क परियोजना की वर्तमान भौतिक प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ग) कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि में नए ड्राई डॉक और अंतर्राष्टरीय पोत मरम्मत सुविधा (आईएसआरएफ) की वर्तमान स्थिति और निष्पादन कैसा है और संचालन एवं रखरखाव भागीदार को शामिल करने संबंधी मामले में कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) की अंतरराष्ट्रीय पोत मरम्मत सुविधा (आईएसआरएफ), कोच्चि का उद्घाटन जनवरी, 2024 में किया गया था तथा इस सुविधा में वाणिज्यिक एवं नौसैनिक जलयानों की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। वाडिनार पोत मरम्मत क्लस्टर परियोजना को आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) द्वारा 05 मई, 2026 को अनुमोदित किया गया है।

(ख): पांडु स्थित पोत मरम्मत सुविधा का वर्तमान वास्तविक प्रगति 97% है। पांडु पत्तन से राष्ट्रीय राजमार्ग-27 तक वैकल्पिक सड़क का निर्माण मार्च, 2026 में पूर्ण कर लिया गया है।

(ग): सीएसएल, कोच्चि के नए ड्राई डॉक (एनडीडी) का उद्घाटन जनवरी, 2024 में किया गया था। इसका प्रचालन प्रारंभ होने के उपरांत, 05 जलयानों का पोतनिर्माण तथा 02 जलयानों की पोत मरम्मत का कार्य किया गया है।

जनवरी, 2024 में प्रचालन प्रारंभ होने के उपरांत, आईएसआरएफ में 45 जलयानों की मरम्मत का कार्य किया गया है।

पोत मरम्मत सुविधाओं की परिचालन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, दिनांक 08.04.2025 को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और ड्राईडॉक्स वर्ल्ड (डीडीडब्ल्यू) के बीच एक सक्षमकारी व्यापक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, ताकि पोत मरम्मत क्लस्टरों, विशेषकर कोच्चि एवं वाडिनार में विकास तथा प्रचालन में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया जा सके।

*****